संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा - मुख्य परीक्षा

(Download) UPSC सिविल सेवा - मुख्य परीक्षा 2016 सामान्य अध्ययन (GS) Paper-4

Exam Name: UPSC IAS Mains General Studies (Paper-4)

Year: 2016

Exam Date: 06-12-2016

1. (a) स्पष्ट कीजिए की आचारनीति समाज और मानव का किस प्रकार भला करती है।

(b) क्या कारण है कि निष्पक्षता और अपक्षपातीयता को लोक सेवाओं में, विशेषकर वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ में, आधारभूत मूल्य समझना चाहिए? अपने उत्तर को उदाहरणों के साथ सुसपष्ट कीजिए।

2. (a) 'शासन', 'सुशासन' और 'नैतिक शासन' शब्दों से आप क्या समझते हैं?

(b) महात्मा गांधी की सात पापों की संकल्पना की विवेचना कीजिए।

3. (a) भारत के संदर्भ में सामाजिक न्याय की जॉन रॉल्स की संकल्पना का विश्लेषण कीजिए।

(b) द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा सिफ़ारिशकृत (अनुशंसित) लोक सेवा संहिता की विवेचना कीजिए।

4. (a) ''भ्रष्टाचार सरकारी राजाकोष का दुरूपयोग, प्रशासनिक अदक्षता एवं राष्ट्रीय विकास के मार्ग में बाधा उत्पन्न करता है।'' कौटिल्य के विचारों की विवेचना कीजिए।

(b). सामाजिक प्रभाव और समझाना-बुझाना स्वच्छ भारत अभियान की सफलता के लिए किस प्रकार योगदान कर सकते हैं?

5. विधि एवं आचारनीति मानव आचरण को नियंत्रित करने वाले दो उपकरण माने जाते हैं ताकि आचरण को सभ्य सामाजिक अस्तित्व के लिए सहायक बनाया जा सके।

(a) चर्चा कीजिए कि वे इस उद्देश्य की किस प्रकार पूर्ति करते हैं।

(b) उदाहरण देते हुए यह बताइए कि ये दोनों अपने उपागमों में किस प्रकार एक-दूसरे से भिन्न हैं।

6. जीवन, कार्य, अन्य व्यक्तियों एवं समाज के प्रति हमारी अभिवृतियाँ आमतौर पर अनजाने में परिवार एवं उस सामाजिक परिवेश के द्वारा रूपित हो जाती है, जिसमें हम बड़े होते हैं। अनजाने में प्राप्त इनमें से कुछ अभिवृतियाँ एवं मूल्य अक्सर आधुनिक लोकतांत्रिक एवं समतावादी समाज के नागरिकों के लिए अवांछानीय होते हैं।

(a) आज के शिक्षित भारतियों में विद्यमान ऐसे अवांछनीय मूल्यों की विवेचना कीजिए।

(b) ऐसी अवांछनीय अभिवृतियों को कैसे बदला जा सकता है तथा लोक सेवाओं के लिए आवश्यक समझे जाने वाले सामाजिक-नैतिक मूल्यां को आकांक्षी तथा कार्यरत लोक सेवकों में किस प्रकार संवर्धित किया जा सकता है?

7. क्रोध एक हानिकारक नकारात्मक संवेग है। यह व्यक्तिगत जीवन एवं कार्य जीवन दोनों के लिए हानिकर है।

(a) चर्चा कीजिए कि यह किस प्राकर नकारात्मक संवेगों और अवांछनीय व्यवहारों को पैदा कर देता है।

(b) इसे कैसे व्यवस्थित एवं नियंत्रित किया जा सकता है?

8. "मैक्स वैबर ने कहा था कि जिस प्राकर के नैतिक प्रतिमानों को हम व्यक्तिगत अंतरात्मा के मामलों पर लागू करते हैं, उस प्रकार के नैतिक प्रतिमानों को लोक प्रशासन पर लागू करना समझदारी नहीं है। इस बात को समझ लेना महत्वपूर्ण है कि हो सकता है कि राज्य के अधिकारीतंत्र के पास अपनी स्वयं की स्वतंत्र अधिकारीतंत्रीय नैतिकता हो।" इस कथन का समालोचनापूर्वक विश्लेशण कीजिए।

SECTION - B

9. इंजीनियरी की एक नई स्नातक (ग्रेजुएट) को एक प्रतिष्ठावान रासायनिक उद्योग में नौकरी मिली है। वह कार्य को पसन्द करती है। वेतन भी अच्छा है। फिर भी, कुछ महीनों के पश्चात् इत्फाक से उसने पाया कि उच्च विषाक्त अपशेष को गोपनीय तरीके से नज़दीकी नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। यह अनुप्रवाह में रहने वाले ग्रामीणों, जो पानी की आवश्यकता के लिए नदी पद निर्भर है, के स्वास्थ्य की समस्याओं का कारण बनता जा रहा है। वह विचलित है और वह अपनी चिन्ता सहकर्मियों को प्रकट करती है, जो लंबे समये से कंपनी के साथ रहे हैं। वे उसे चुप रहने की सलाह देते हैं क्योंकि जो भी इस विषय का उल्लेख करता है, उसको नौकरी से निकाल दिया जाता है। वह अपनी नौकरी खोने का खतरा नहीं ले सकती, क्योंकि वह अपने परिवार की एकमात्र जीविका चलाने वाली है तथा उसे अपने बीमार माता-पिता एवं भाई-बहनों का भरण-पोषण करना होता है। प्रथमतः वह सोचती है यदि उसके वरिष्ठ चुप हैं, तो वह ही क्यों अपनी गर्दन बाहर निकाले। परन्तु उसका अन्तःकारण नदी को एवं नदी पर निर्भर रहने वाले लोगों को बचाने के लिए कुछ करने की प्रेरणा देता है। अन्तःकरण से वह महसूस करती है कि उसके मित्रों द्वारा चुप रहने का दिया गया परामर्श उचित नहीं है, यद्यपि वह उसके कारण नहीं बता सकती है। वह सोचती है कि आप एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं तथा वह आपका परामर्श पूछती है।

(a) चुप रहना उकसे लिए नैतिक रूप से सही नहीं है यह दर्शाने के लिए आप क्या तर्क प्रस्तुत कर सकते हैं?

(b) आप उसे कौन-सा रास्ता अपनाने की सलाह देंगे और क्यों देंगे?

10. खनन, बांध एवं अन्य बड़े पैमाने की परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि अधिकांशतः आदिवासियों, पहाड़ी निवासियों एवं ग्रामीण समुदायों से अर्जित की जाती है। विस्थापित व्यक्तियों को कानूनील प्रावधानों के अनुरूप मौद्रिक मुआवज़ा दिया जाता है। फिर भी, भुगतान प्रायः धीमी गति से होता है। किसी भी हालाता में विस्थापित परिवार लम्बे समय तक जीवनयापन नहीं कर पाते। इन लोगों के पास बाज़ार की आवश्यकतानुसार किसी दूसरे धंधे में लगने का कौशल भी नही होता है। वे आखिरकार कम मज़दूरी वाले आवर्जिकि (प्रवासी) श्रमिक बन जाते है। इसके अलावा, उनके सामुदायिक जीवन के परंपरागत तरीके अधिकांशतः समाप्त हो जाते हैं। अतः विकास के लाभ उद्योगों, उद्योगपतियों एवं नगरीय समुदायों को चले जाते हैं, जबकि विकास की लागत इन गरीब असहाय लोगों पर डाल दी जाती है। लागतों एवं लाभों का यह अनुचित वितरण अनैतिक है।

11. कल्पना करें कि आप एक सामाजिक सेवा योजना की क्रियान्विती के कार्य प्रभारी है, जिससे बूढ़ी एवं निराश्रय महिलाओं की सहायता प्रदान करनी है। एक बूढ़ी एवं अशिक्षित महिला योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आपके पास आती है। यद्यपि, उसके पास पात्रता के मानदंडो को पूरा करने वाले काग़जात दिखाने के लिए नहीं है। परन्तु उससे मिलने एवं उसे सुनने से आप यह महसूस करते हैं कि उसे सहायता की निश्चित रूप से आवश्यकता है। आपकी जाँच में यह भी आया है कि वास्तव में यह दयनीय दशा में निराश्रित जीवन व्यतीत कर रही है। आप इस धर्मसंकट में हैं कि क्या किया जाए। उसे बिना आवश्यक कागजात के योजना में सम्मिलित

किया जाना, नियमों का स्पष्ट उलंघन होागा। उसे सहायता के लिए मना करना भी निर्दयता एवं अमानवीय होगा।

(a) क्या आप इस धर्मसंकट के समाधान के लिए कोई तार्किक तरीका सोच सकते हैं?

(b) इसके लिए अपने कारण बतलाइए।

12. आप एक सरकारी कार्यालय में अपने विभाग के निदेशक के सहायक के रूप में कार्यरत एक युवा, उच्चाकांक्षी एवं निष्कपट कर्मचारी हैं। जैसा कि आपने अभी पद ग्रहण किया है, आपको सीखने एवं प्रगति की आवश्यकता है। भाग्यवश आपका स्वास्थ्य बहुत दयालु एवं आपको अपने कार्य के लिए प्रशिक्षित करने के लिए तैयार हे। वह बहुत बुद्धिमान एवं पूर्ण जानकार व्यक्ति है, जिसे विभिन्न विभागों का ज्ञान है। संक्षेप में, आप अपने बाॅस का सम्मान करते हैं तथा उससे बहुत कुछ सीखने के उत्सुक है। जैसा कि आपने बाॅस के संबंध बहुत अच्छे हैं, वह आप पर निर्भर करने लगा है। एक दिन खराब स्वास्थ्य के कारण उसने आपको कुछ आवश्यक कार्य पूरा करने के लिए घर बुलाया। आप उसके घर पहुंचे एवं घंटी बजाने से पूर्व आपने जोर-जोर से चिल्लाने का शोर सुना। आपने कुछ समय प्रतीक्षा की। घर में प्रवेश करने पर बाॅस ने आपका अभिनन्दन किया तथा कार्य के बारे में बतलाया। परन्तु आप एक औरत के रोने की आवाज से निरंतर व्याकुल रहे। अन्त में आपने अपने बाॅस से पूछा परन्तु उसने सन्तोषप्रद जवाब नहीं दिया। अगले दिन आप कार्यालय में इसके बारे में आगे जानकारी करने को उद्वेलित हुए एवं मालुम हुआ कि उसेा घर में पत्नी के साथ व्यवहार बहुत खराब है। वह अपनी पत्नी की मारपीट भी करता है। उसकी पत्नी ठीक से शिक्षित नहीं है तथा पति की तुलना में एक सरल महिला है। आप देखते हैं कि आपका बॅस कार्यालय मे अच्छा व्यक्ति है, परन्तु घर पर वह घरेलू हिंसा में संलिप्त है। इस स्थिति में, आपके सामने निम्नलिखित विकल्प बचे हैं। प्रत्येक विकल्प का परिणामों के साथ विश्लेषण कीजिए।

(a) इसके बारे में सोचना छोड़ दीजिए क्योंकि यह उनका व्यक्तिगत मामला है।

(b) उपयुक्त प्राधिकारी को मामले को प्रेषित कीजिए।

(c) स्थिति के बारे मंे आपा स्वयं का नव्रपवर्तनकारी दृष्टिकोण।

13. ए.बी.सी. लिमिटेड एक बड़ी पारराष्ट्रीय कंपनी है जो विशाल शेयरधारक के आधार पर विविध व्यापारिक गतिविधियां संचालित करती है। कंपनी द्वारा निरंतर विस्तार एवं रोज़गार सृजन हो रहा है। कंपनी ने अपने विस्तार एवं विविधता कार्यक्रम के अन्तर्गत विकासपुरी, जो एक अविकसित क्षेत्र है, में एक नया संयंत्र स्थापित करने का निर्णय किया है। ना संयंत्र उर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी के प्रयोग के अनुरूप प्रारूपित किया गया है जो कंपनी के उत्पादन लागत को 20% बचाएगी। कंपनी के निर्णय सरकार की अविकसित क्षेत्रों के विसके लिए निवेश को आकर्षित करने की नीति के अनुरूप हैं। सरकार ने उन कम्पनियों को पांच वर्ष के लिए करों में छूट (टेक्स होलीडे) की घोषणा की है जो अविकसित क्षेत्र में निवेश करती हैं। फिर भी, नया संयंत्र विकासपुरी क्षेत्र के शान्तिप्रिय निवासियों के लिए अव्यवस्था पैदा कर देगा। नए संयंत्र के परिणामस्वरूप जीवनयापन की लागत बढ़ी, क्षेत्र में विदेशी प्रवसन से सामाकि एवं आर्थिक व्यवस्था प्रभावित होगी। कंपनी को संभावित विरोध का आभास होने पर उसके विकासपूरी क्षेत्र के लोगों एवं जनता को यह बताने की कोशिश की कि कंपनी की निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व की नीति विकासपुरी क्षेत्र के निवासियों की संभावित कठिनाइयों को रोकने में मददगार रहेगी। इसके बावजूद भी

विरोध प्रारंभ होता है तथा कुछ निवासी न्ज्ञयायपालिका जाने का इस आधार पर निर्णय करते हैं कि इससे पूर्व सरकार के सामने दिए गए तर्कों का कोई परिणाम नहीं निकला था।

(a) इस मामले में अन्तःनिहित समस्याओं की पहचान कीजिए।

(b) आप कंपनी के लक्ष्यों एवं प्रभावित निवासियों की संतुष्टि के लिए क्या सुझाव दे सकते हैं?

14. सरस्वती यू.एस.ए. में सूचना प्रौद्योगिकी की एक सफल पेशेवर थी। अपने देश के लिए कुछ करने की राष्ट्र-भावना से प्रेरित होकर वह वापस भारत आई। उसने गरीब ग्रामीण समुदाय के लिए एक पाठशाला निर्माण के लिए एक-जैसे विचारों वाले कुछ मित्रों के साथ मिलकर एक गैर-सरकारी संगठन बनाया। पाठशाला का लक्ष्य नाममात्र की लागत पर उच्च स्तरीय आधुनिक शिक्षा प्रदान करना था। उसने जल्दी ही पाया कि उसे कई सरकारी ऐजंन्सियों से अनुमति लेनी होगी। नियम एवं प्रक्रियाएं काफी अस्पष्ट एवं जटिल थीं। अनावश्यक देरियों, अधिकारियों की कठोर प्रवृति एवं घूस की लगातार मांग से वह सबसे ज्यादा हतोत्साहित हुई। उसके एवं उस जैसे दूसरों के अनुभव ने लोगों को सामाजिक सेवा परियोजनाओं को लेने से रोका हुआ है। स्वैच्छिक सामाजिक कार्य पर सरकारी नियंत्रण के उपाय आवश्यक हैं। परंतु इन्हें बाध्यकारी या भ्रष्टरूप में प्रयोग में नहीं लिया जाना चाहिए। आप क्या उपाय यह सुनिश्चित करने के लिए सुझाएंगे कि जिससे आवश्यक नियंत्रण के साथ नेक इरादों वाले ईमानदार गैर-सरकारी संगठन के प्रयासों में बाध नहीं आए।